नर सेवा

नारायण सेवा

# स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी

सैनिटरी पैड बनाने की मशीन का उद्घाटन

# तिमाही वृतांत

## जुलाई - सितम्बर 2022

करोल बाग दिल्ली में
सोसाइटी के १२वें चिकित्सालय का लोकार्पण

# अंक विशेष

## संपादक की कलम से:

वर्ष की दूसरी तिमाही में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही दिल्ली के करोल बाग क्षेत्र में ३० सितम्बर को सोसाइटी के १२वें धर्मार्थ चिकित्सालय का लोकार्पण और यह भी संयोग था की इसी माह सोसाइटी अपनी स्थापना का एक दशक पूर्ण कर रही थी।

इसके अतिरिक्त यह तिमाही अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों, नए पहलों व उपक्रमों, नवीन सुविधाओं एवं सेवाओं और विभिन्न त्योहारों व आयोजनों से परिपूर्ण रही। अपने नियमित कार्यकलापों को सतत अग्रसर रखते हुए सोसाइटी के चिकित्सालयों ने नए शिखरों को छुआ।

सोसाइटी के श्री केदारनाथ धाम चिकित्सालय ने अपनी सेवायात्रा में एक अनूठी उपलब्धि हासिल की जब उसके रोगियों का आंकड़ा १ लाख पार कर गया और यह संख्या श्री केदारनाथ धाम की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं का लगभग १० प्रतिशत है। रोगियों की यह संख्या श्री केदारनाथ धाम चिकित्सालय के स्टाफ की समर्पित, सतत व अतुलनीय स्वास्थ्य सेवा की गाथा बयां कर रही है।

धर्मावाला चिकित्सालय में "फिएम फाउंडेशन", सोनीपत, हरियाणा के सहयोग से एक सैनिटरी पैड बनाने की इकाई प्रारम्भ कर सोसाइटी ने अपने महिला सशक्तिकरण के संकल्प को गति प्रदान की और सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम को सुदृढ़ किया है।

सितम्बर माह में ही सोसाइटी ने धर्मावाला चिकित्सालय के आस पास के जनजातीय बहुल ग्रामों में "जीवक" नामक एक नए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत करी जिसका उद्देश्य मुंह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, स्क्रीनिंग, जांच और उपचार है। इस कार्यक्रम के साथ ही सोसाइटी ने समाज में व्याप्त तम्बाकू सेवन इत्यादि व्यसन से होने वाले दुष्परिणामों से बचाव के लिए एक पहल की है।

अल्ट्रासाउंड सुविधा की दो उपलब्धियों ने इस तिमाही को और सुशोभित किया। प्रथम थी, धर्मावाला चिकित्सालय में 3डी/4डी इमेजिंग तकनीक से सुसज्जित एक नवीन आधुनिक और विकसित अल्ट्रासाउंड मशीन की स्थापना एवं दूसरी थी सोसाइटी के पेटशाल चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड सुविधा की शुरुआत।

अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों में हरिद्वार चिकित्सालय में आयुर्वेद और पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन, धर्मावाला चिकित्सालय में आर्थ्रोस्कोपिक / स्पोर्ट्स इंजुरी सर्जरी की शुरुआत शामिल है। साथ ही धर्मावाला चिकित्सालय में नियमित पूर्णकालिक बाल रोग और त्वचा रोग ओपीडी सेवाएं शुरू हुईं और इस प्रकार उपलब्ध सुविधाओं के दायरे में विस्तार हुआ।

धर्मावाला चिकित्सालय के मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ निमिश और ईएनटी सर्जन डॉ श्रेया ने एक और हर्ष का अवसर प्रदान किया जब उनके द्वारा उपचार किये गए **Asymptomatic Idiopathic Submandibular Abscess** रोग से पीड़ित एक रोगी पर आधारित केस पेपर **"The Egyptian Journal of Otolaryngology"** में प्रकाशित हुआ।

हमेशा की तरह इस तिमाही में भी सोसाइटी के चिकित्सालय पूर्ण रूप से इस सेवा यज्ञ में अपनी आहुति देते रहे। हमारे धाम स्थित चिकित्सालयों ने प्रमुखता से चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों की रात दिन स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जिससे की उनकी तीर्थयात्रा सुगम व सुखमय रहे।

हमारे इष्टदेवताओं एवं शुभचिंतकों के आशीर्वाद के फलस्वरूप सोसाइटी अपने सेवा मार्ग पर यथावत है और निरंतर नए शिखर प्राप्त कर रही है और आगे भी प्रयासरत रहेगी।


03
हमारे चिकित्सालयों की श्रृंखला

04 - 14
तिमाही विशेष

15 - 16
रविवारीय मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

17
मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

18
सामुदायिक चिकित्सा शिविर

19
सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

20 - 21
उत्कृष्ट उदाहरण

22 - 23
आंकड़े



**संपादकीय और रूपांकन टोली**

डॉ ताराश्री सिंघल
डॉ दीपक सिन्हा
स्वाति नायर
नितेश उनियाल

# हमारे चिकित्सालयों की श्रृंखला

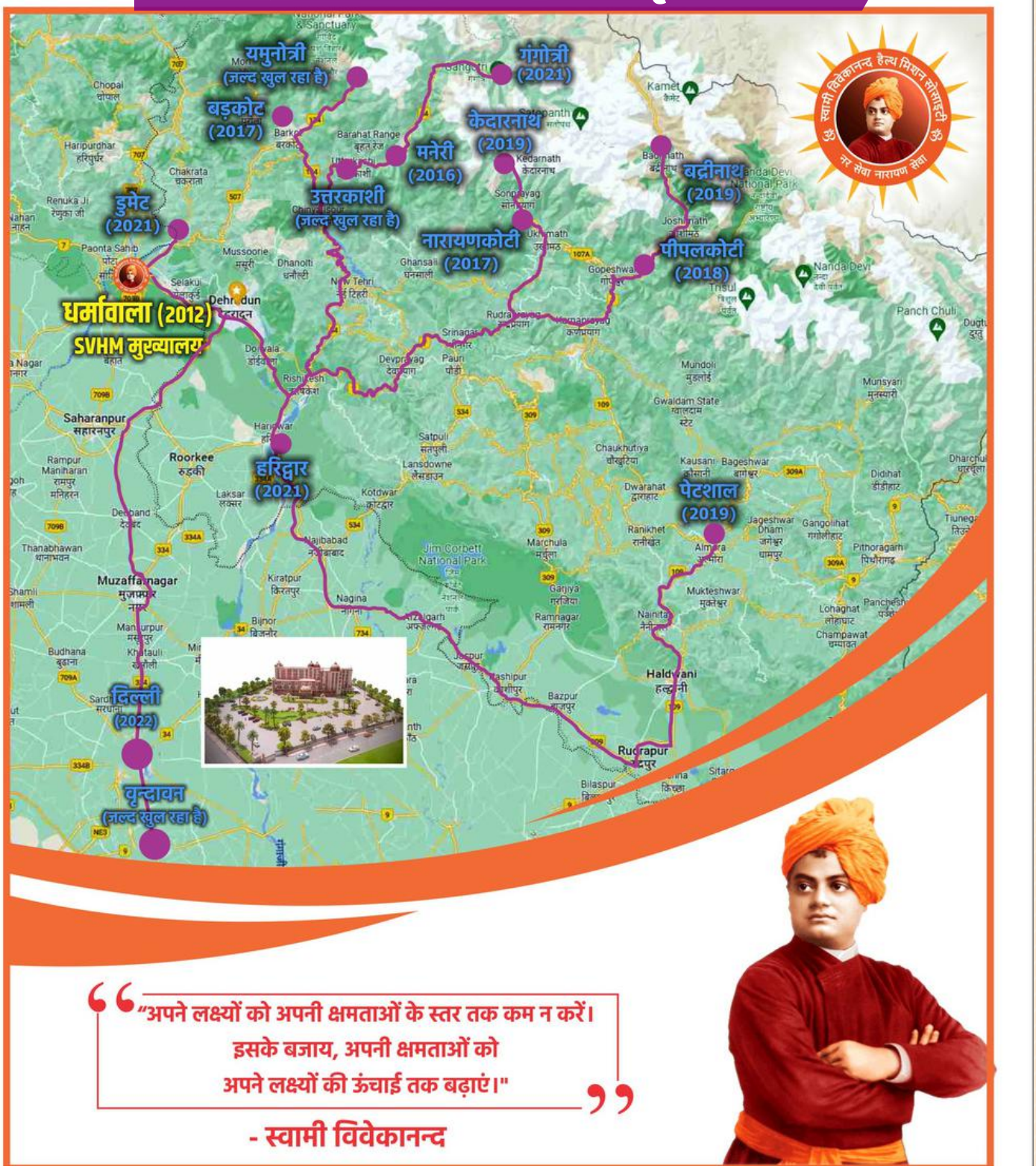


स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी का गठन सन् २०१२ में कुछ युवा चिकित्सकों एवं सेवाभावी लोगो के द्वारा मानव सेवा हेतु किया गया था और जिनका लक्ष्य दुर्गम, पिछड़े, पहाड़ी, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों व तीर्थस्थलों में उपेक्षित और शोषित वर्ग तथा तीर्थयात्रियों की सेवा करके मातृभूमि की वंदना करना और उन्हें चिकित्सीय सुविधा, शिक्षा और सामाजिक सुदृढ़ता प्रदान करना है।

सोसाइटी ने चार धाम में और उनके मार्गों में, चार धाम यात्रा पर वाले तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य सुविधा देने के अपने संकल्प को पूर्ण करते हुए श्री बद्रीनाथ धाम, श्री केदारनाथ धाम व गंगोत्री धाम में ICU युक्त चिकित्सालयों का संचालन कर रही है, जिनमें लैब की सुविधा, डिजिटल एक्स रे, फार्मेसी इत्यादि सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। विदित हो की यह चिकित्सालय 24 x 7 कार्यरत हैं और इनमे कार्यरत स्टाफ high altitude sickness व उससे सम्बंधित स्वास्थ्य समस्याओं को उपचार करने के लिए प्रशिक्षित भी है।

सोसाइटी अपने धर्मार्थ चिकित्सालयों के अतिरिक्त अन्य परोपकारी कार्यों में भी योगदान कर रही है जिनमे प्रमुख है दुर्गम, पिछड़े व पहाड़ी क्षेत्रों में निःशुल्क सामुदायिक चिकित्सा शिविरों का नियमित आयोजन। इनके अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में हैं, शिक्षा अभियान, स्वावलंबन अभियान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम। सोसाइटी द्वारा पांच सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाये जा रहे है , एनीमिया की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम, स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर की जागरूकता, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम, मासिक धर्म स्वच्छता (My Pad: Menstrual Hygiene) कार्यक्रम, सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं मुंह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, जाँच व चिकित्सा कार्यक्रम।

सेवा पथ पर चलते हुए सोसाइटी आज कुल १२ धर्मार्थ चिकित्सालयों का संचालन कर रही है और अपने "नर सेवा नारायण सेवा" के ध्येय वाक्य को यथार्थ कर रही है।

# सोसाइटी के 12वें चिकित्सालय का लोकार्पण

**सुविधाएं**

- ओ पी डी व डे केयर
- नेत्र रोग
- दन्त चिकित्सा
- फिजियोथेरेपी
- फार्मेसी
- सुसज्जित लेबोरेटरी
- डिजिटल एक्स रे
- अल्ट्रासाउंड
- स्पेशियलिटी एवं सुपर स्पेशियलिटी ओ पी डी
- माइनर ओ टी

**30 सितम्बर**

## स्वामी विवेकानन्द हैल्थ केयर सेन्टर, करोल बाग, दिल्ली

उद्घाटन समारोह में सम्मिलित गणमान्य व्यक्तियों में परम पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज, संस्थापक - विश्व जागृति मिशन, श्री सुहास राव हिरेमठ - राष्ट्रीय समन्वयक, सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा; डॉ रमेश गुप्ता, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, संस्थापक एल.आर.जी. चैरिटेबल ट्रस्ट; श्री राकेश कुमार गुप्ता और डॉ अनुज सिंघल, सचिव, SVHM सोसाइटी आदि शामिल थे।

रेशमा जी, किन्नर समुदाय की सदस्या , कार्यक्रम का मंच संचालन करती हुई

दिल्ली के करोल बाग और उसके आसपास रहने वाले समाज के निर्धन वर्ग के दिहाड़ी श्रमिकों, रिक्शा चालकों, ठेले वालों व सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अशक्त वर्गों के लिए यह सेंटर वरदान स्वरुप साबित होगा। यह वर्ग अधिकतर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य व चिकित्सीय सुविधाओं से धन की कमी के कारण वंचित रह जाते हैं और शारीरिक कष्ट से अपना जीवन यापन करते रहते हैं, इन्ही आवश्यकताओं को हमारा यह हैल्थ केयर सेंटर पूर्ण करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहेगा ।

किन्नर समुदाय द्वारा दस महाविद्याओं और नव दुर्गा पर प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत दीप प्रज्वलन और गणपति वंदना के साथ हुई और उसके बाद किन्नर समुदाय के सदस्यों द्वारा दस महाविद्याओं और नव दुर्गा पूजा पर आधारित एक नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। इसके पश्चात सोसाइटी के सचिव डॉ अनुज सिंघल द्वारा स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी की गत दस वर्षों की सेवा यात्रा पर आधारित एक प्रस्तुति दी गई ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री सुहास राव जी ने तब चिकित्सा के क्षेत्र में नैतिक व निःस्वार्थ भाव से प्रैक्टिस करने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। इसके बाद किन्नर समुदाय के सदस्यों का अभिनंदन किया गया और वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समारोह में अनेक वरिष्ठ चिकित्सक, करोल बाग के व्यापारी समुदाय के सदस्य, दिल्ली के सभी चार मेडिकल कॉलेजों (अटल बिहारी वाजपेयी, वर्धमान महावीर, लेडी हार्डिंग और एम्स) के फैकल्टी एवं छात्र व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे ।

मुख्य अतिथियों के साथ स्वैच्छिक चिकित्सकों की टीम

आयोजन की एक झलक

# सैनिटरी पैड बनाने की मशीन का उद्घाटन

**12 जुलाई : धर्मावाला**

**सौजन्य से : फिएम इंडस्ट्रीज सोनीपत, हरियाणा द्वारा सीएसआर (CSR), कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत**

उद्घाटन समारोह में डॉ एन.एस. चौहान, राजकीय चिकित्सालय, विकासनगर के वरिष्ठ सर्जन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में सोसाइटी के सचिव डॉ अनुज सिंघल, कार्यकारी समिति सदस्या डॉ ताराश्री सहित चिकित्सालय के अन्य चिकित्सक व स्टाफ शामिल थे। इस अवसर पर धर्मावाला और आसपास के गांवों के ग्राम प्रधानों, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति भी रही।

**इस मशीन के उद्घाटन से स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा चलाये जा रहे महिला स्वास्थ्य आधारित मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम को बढ़ावा मिला है ।**

## कार्यक्रम

समारोह का शुभारम्भ डॉ अनुज द्वारा दिए गए स्वागत भाषण के साथ किया गया तत्पश्चात पिछले वर्षों में सोसाइटी की सेवा यात्रा को आधारित एक वृत्तचित्र दिखाया गया।
कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ ताराश्री ने सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और सैनिटरी पैड बनाने की मशीन के महत्व के बारे में बताया।
समारोह का समापन डॉ दीपक द्वारा धन्यवाद भाषण के साथ हुआ और इसके बाद सभी प्रतिभागियों को जलपान कराया गया। सभी महिला प्रतिभागियों को चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क सैनिटरी पैड का एक-एक पैकेट भी वितरित किया गया।

## पिछले 2 वर्षों में गांवों में किये गये मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता सत्र

- **लाभार्थियों की संख्या: 3989**
- **जागरूकता सत्र में भाग लेने के बाद सैनिटरी पैड का उपयोग शुरू करने वाले लाभार्थियों की संख्या: 2231**

जागरूकता सत्र
गाँव: शाहपुर
(प्रतिभागी: 93)

उद्घाटन समारोह के दौरान सैनिटरी पैड वितरण

My Pad लाभार्थी
गाँव: शाहपुर

# राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सम्मानित किए गए सोसाइटी के चिकित्सक

**1 जुलाई**

**डॉ ताराश्री सिंघल**
**सोसाइटी की कार्यकारी सदस्या एवं सीनियर सोनोलॉजिस्ट, धर्मावाला चिकित्सालय**




**डॉ वैभव प्रताप सिंह**
**जनरल सर्जन, धर्मावाला चिकित्सालय**

# मीडिया और प्रकाशन

## डॉक्टर्स-डे पर 21 डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

देहरादून में शुक्रवार को आईएमए के कार्यक्रम में डॉ

देहरादून,संवाददाता। हरिद्वार रोड के अमोला रेस्तरां में डॉक्टर्स-डे पर हुए रक्तदान और सम्मान समारोह में 21 डॉक्टरों को सम्मानित किया गया।

विचार एक नई सोच, रंत-रैबार, आकाश ज्ञान वाटिका, बदरी केदार सांस्कृतिक समिति, उत्तरजन टुडे, सेंचुरियन क्लब और अमोलाज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विशिष्ट अतिथि मेयर सुनील उनियाल गामा, टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय रहे। अध्यक्षता फिजिशियन डॉ. एसडी जोशी ने की। इस अवसर पर आयोजक राकेश बिजल्वाण, विनोद रावत, मनोज ईस्टवाल, पीसी थपलियाल, जयप्रकाश, गंगा अमोला, घनश्याम जोशी, अमित अमोली, रमन जायसवाल, आशीष नेगी, हरीश कंडवाल, जगमोहन मौर्य, विकास कपरवाण, दीपक जुगरान, एसपी सती मौजूद रहे। दूसरी ओर, दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना और समाजसेवी विनोद रावत ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र अंथवाल समेत कई पत्रकारों ने रक्तदान किया। कुल 52 यूनिट रक्तदान हुआ। यहां 20 समाजसेवी-पत्रकारों को आदर्श नागरिक सम्मान भी दिया गया। इनमें अरुण शर्मा, जयदीप सकलानी, पीसी थपलियाल, महेंद्र भंडारी, वैभव गोयल, सुरेश भट्ट, प्रशांत रावत, बीपी बलोदी, जय प्रकाश अमोला, मनोज ईष्टवाल, घनश्याम जोशी, अरुण पांडेय, अनुज वर्मा आदि थे।

**इन डॉक्टर्स को किया सम्मानित:** डॉ. एसडी जोशी, दून मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना, डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. गोविंद पुजारी, डॉ. सुरेश कोठियाल, डॉ. दिग्विजय सिंह रावत, डॉ. अनिल आर्य, डॉ. आरके टम्टा, डॉ. केपी सिंह, डॉ. पीयूष त्रिपाठी, डा. राकेश रावत, डॉ. केआर सोन, डॉ. विवेक रोहिल्ला, डॉ. लोकेश सलूजा, डॉ. प्रतीक थापा, डॉ. विशाल कौशिक, डॉ. ताराश्री सिंघल, डॉ. राधिका रतूड़ी, डॉ. सिद्धांत खन्ना, डॉ. रचित गर्ग और डॉ. उदय बलूनी।

**The Egyptian Journal of Otolaryngology**

Asymptomatic idiopathic submandibular abscess — a diagnostic conundrum

December 2022 · The Egyptian Journal of Otolaryngology 38(1)

DOI: 10.1186/s43163-022-00278-y

License · CC BY 4.0

Authors:

Shreya Agarwal    Nimish Gupta

## स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला के डा. वैभव सम्मानित



**विकासनगर।** स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला के डा. वेभव प्रताप सिंह को बेस्ट सर्जन एवं कोरोना काल में मरीजों के लिए दिन रात निडर भाव से अपनी सेवा देने के लिए दिव्य हिमगिरी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद नरेश बंसल थे।डा. वेभव प्रताप सिंह कई वर्षों से स्वामी विवेकानंद अस्पताल धर्मावाला के चेरिटेबल अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे है, उनके व्यवहार और अच्छे स्वभाव के कारण मरीजों कि इनके पास दिन रात भीड़ रहती हैं कभी कभी मरीज इन्हे रास्ते में रोककर ही अपनी बीमारी के बारे में पूछते हैं कोई फोन करके सलाह लेते है। कोरोना काल में भी जब कोई डा. मरीज पर हाथ लगाने से भय रखते थे तब भी डा. वेभव हर मरीज का प्रशिक्षण करते थे। डा. वेभव प्रताप को सम्मानित किए जाने से धर्मावाला अस्पताल में स्टाफ में खुशी का माहौल है।

## गंगोत्री धाम में चौबीस घंटे कौन दे रहा सेवा



## 50 से अधिक ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच



**सहिया।** नागथात स्थित रेडक्रास अस्पताल में स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के गांवों से आए पचास ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करके उन्हें दवाइयां दी गई। रोगियों की शुगर, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ उनके स्वास्थ्य की जांच करते हुए उपचार के संबंध में सलाह दी गई। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को आवश्यक दवाइयां भी प्रदान की। चिकित्सालय के सचिव डॉ. अनुज सिंघल ने बताया कि जौनसार बावर के दूरस्थ गांवों के ग्रामीणों की सुविधा के लिए अस्पताल शिविरों का आयोजन कर रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को उपचार व दवाइयां मिल सकें। इस अवसर पर डॉ. दीपक सिन्हा, सूरज डबराल, काजल जोशी, सुशील, रवि आदि मौजूद रहे। संवाद

देहरादून
गुरुवार
28 जुलाई 2022
13

स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसायटी धर्मावाला की ओर से बुधवार को जूड़ही में स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच की गई। • हिन्दुस्तान

## निशुल्क सेनेटरी पैड देगा विवेकानंद अस्पताल

विकासनगर, संवाददाता स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला ग्रामीण क्षेत्रों की गरीब वर्ग की महिलाओं को मुफ्त में सेनेटरी पैड मुहैया कराएगा। इसके लिए अस्पताल परिसर में फिल्याम फाउंडेशन हरियाणा की ओर से सीएसआर मद के तहत लगाई गई सेनेटरी पैड प्रोडक्शन मशीन का मंगलवार को उद्घाटन किया। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि मशीन से प्रतिदिन 10 हजार सेनेटरी नैपकिन का उत्पादन होगा, जिन्हें ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को निशुल्क वितरित किया जाएगा। प्रोडक्शन मशीन का उद्घाटन करते हुए उप जिला चिकित्सालय विकासनगर के सर्जन डा. नरेंद्र चौहान ने कहा कि बायोडिग्रेबल नैपकिन मशीन से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचेगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को सेनेटरी पैड को स्कूलों, पंचायतों में उपलब्ध कराने की सलाह दी। प्रोडक्शन मशीन के उद्घाटन के दौरान महिलाओं को सेनेटरी पैड दिए गए।

## नागथात रेडक्रॉस अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

**कालसी।** नागथात रेडक्रास अस्पताल में आज स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आस पास के गई गांवों के बुजुर्ग महिला पुरुष या अन्य लोग पहुंचे। शिविर में 50 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाइयां वितरित की गई। इस्वामी विवेकानंद धर्मार्थ के सचिव डा. अनुज सिंघल का कहना है कि दूरस्थ गांवों में अस्पताल की तरफ से कॅप का आयोजन किया जा रहा है इससे पूर्व माख्टी पोखरी, जूडो में भी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया ओर आगे अन्य जगह पर भी शि. विर का आयोजन किया जाएगा। आज इस अवसर पर डा. दीपक सिन्हा, फार्मासिस्ट सूरज डबराल, काजल जोशी, सुशील रवि आदि स्टाफ के लोग शिविर में मौजूद थे।

## मुंह और गले के कैंसर के प्रति किया जागरूक

### मेदनीपुर में प्रोजेक्ट जीवक के तहत कार्यक्रम आयोजित, 37 लोगों की जांच

संवाद न्यूज एजेंसी

**विकासनगर।** स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय धर्मावाला के तत्वावधान में इंदिरा राष्ट्रीय बोक्सा जनजाति स्कूल ग्राम मेदनीपुर में प्रोजेक्ट जीवक के तहत लोगों को मुंह एवं गले के कैंसर के प्रति जागरूक किया गया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों के गले और मुंह की जांच की। उन्होंने बताया कि कैंसर की बढ़ती दर और कम स्क्रीनिंग जांच की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रोजेक्ट जीवक की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का पता लगाना, रोगियों को उचित और अनिवार्य जांच एवं उपचार की सुविधा स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय के माध्यम से उपलब्ध कराना है। शिविर में 37 लोगों की जांच की गई। मुंह व गले के कैंसर के विषय में जानकारी भी दी गयी। उनको इस कैंसर के लिए स्वयं परीक्षण करना भी सिखाया गया। डॉ. निमिष गुप्ता ने बताया की ये जागरूकता एवं जांच शिविर प्रत्येक सप्ताह के बृहस्पतिवार को लगाया जाएगा। इस श्रंखला का अगला शिविर 29 सितंबर को लगाया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य रीता, प्रधानाचार्य तेजप्रकाश रांगड़, डॉ. श्रेया अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

ग्राम मेदनीपुर में आयोजित शिविर में गले की जांच करते विशेषज्ञ। संवाद

**प्रारंभिक अवस्था में बीमारी का पता लगाना है उद्देश्य, 29 को लगाया जाएगा शिविर**

## कथा व्यास कौशल महाराज को किया सम्मानित



**विकासनगर।** कथा व्यास विजय कौशल महाराज ने धर्मावाला स्थित स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित धर्मार्थ चिकित्सालय का भ्रमण किया। अस्पताल प्रबंधन ने कथा व्यास को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। कहा कि अस्पताल गरीब वर्ग के लोगों को सस्ता इलाज मुहैया करा रहा है, जो कि पुण्य का कार्य है। उन्होंने अस्पताल में प्रत्येक रविवार को लगने वाले मल्टी स्पेशलिटी कैंप का भी जायजा लिया। स्पताल प्रबंधन ने उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. अनुज सिंघल ने बताया कि ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करने के उद्देश्य से शिविर भी लगाए जाते हैं। गांव में कैंप लगाकर मुंह और गले के कैंसर की जांच भी की जा रही है। अस्पताल को और अधिक सुविधा संपन्न बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर डॉ. तारा आदि मौजूद रहे। संवाद

# आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र का शुभारम्भ

**2 जुलाई: हरिद्वार**

केंद्र का उद्घाटन श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद जी महाराज श्री एवं डॉ कृष्ण गोपाल जी, सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा किया गया।

**4 जुलाई: हरिद्वार**

# स्वावलंबन अभियान

लाभार्थियों के साथ प्रमुख गणमान्य व्यक्ति एवं हरिद्वार चिकित्सालय की टोली

हरिद्वार चिकित्सालय में स्वावलंबन अभियान के तहत, आस-पास के गांवों के अभावग्रस्त व्यक्तियों, जिनकी कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों और दुर्घटनाओं के कारण अपनी आजीविका खो गई थी, को निःशुल्क उपचार और स्वरोजगार प्रदान किया गया, जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

- रानी माजरा निवासी एक 33 वर्षीय पुरुष ने अपनी आजीविका का एकमात्र साधन खो दिया जब उसकी दुकान और घर में आग लग गई और उसी दौरान उसके बाएं टखने में फ्रैक्चर हो गया जिसके लिए ऑपरेशन की आवश्यकता थी। दुर्घटना में अपना सब कुछ गंवाने के कारण ऑपरेशन का व्यव वहन नहीं कर पा रहा था और काम न कर पाने के चलते बेरोजगार हो गया। सोसाइटी ने सहयोग दिया, उनका निःशुल्क ऑपरेशन किया गया और नए सिरे से अपना काम शुरू करने के लिए उन्हें साइकिल से चलने वाली ठेला गाड़ी दी गई।

- रामनगर रुड़की निवासी एक 23 वर्षीय पुरुष पिछले 2 वर्षों से एक दुर्घटना के कारण बेरोजगार हो गया था। इस दुर्घटना में उसके कूल्हे की हड्डी टूट गई थी और वह उपचार का व्यव वहन करने में असमर्थ था जिसमें महंगी सर्जरी शामिल थी। सोसाइटी ने हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की सुविधा निःशुल्क प्रदान की और साथ ही उन्हें अपना रोजगार फिर से शुरू करने के लिए साइकिल से चलने वाली ठेला गाड़ी प्रदान की गई। गाड़ी को श्री रघु कन्नोदिया जी और श्री सतीश जैन जी के सौजन्य से दिया गया तथा हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी का व्यव श्री विश्वनाथ अग्रवाल जी द्वारा वहन किया गया।

- ज्वालापुर के एक निर्धन परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ण सहायता प्रदान की गई। पति जिसकी आयु 45 वर्ष थी, उन्हें साइकिल से चलने वाली ठेला गाड़ी प्रदान की गई, जबकि उनकी पत्नी, आयु 40 वर्ष एवं 22 वर्षीय पुत्र को हरिद्वार चिकित्सालय में क्रमशः जीडीए (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट) और हाउसकीपिंग स्टाफ के पद पर नियुक्ति कर दी गई। ठेला गाड़ी श्री रघु कन्नोदिया जी के सौजन्य से प्रदान की गई।

# उल्लेखनीय घटनाएँ

## 21 जून - 1 जुलाई: हरिद्वार

### बाल गोकुलम शिविर

उल्लास एवं आनंद से परिपूर्ण 10 दिवसीय शिविर का उद्घाटन स्वामी हरिहरानंद जी के द्वारा 21 जून को किया, जिसमें 8-12 वर्ष आयु के 23 बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर के तहत निम्नलिखित गतिविधियां की गईं:

- श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय से श्लोकों का पाठ।
- योग आसनों का अभ्यास।
- पंचतंत्र से कहानी सुनाना।
- विविध खेल गतिविधियाँ।

शिविर में भाग ले रहे बच्चों को श्रीमद्भगवद्गीता और पंचतंत्र पुस्तक उपहार स्वरुप वितरित की गई।

## श्री केदारनाथ धाम

### तीर्थयात्रियों को नि:शुल्क जूते-चप्पल का वितरण

श्री केदारनाथ धाम चिकित्सालय स्वास्थ्य के अतिरिक्त तीर्थयात्रियों को नि:शुल्क चाय और बिस्कुट भी प्रदान कर रहा है , इसी क्रम में अब श्रद्धालुओं को आवश्यकतानुसार जूते-चप्पल भी नि:शुल्क उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। मौसम की स्थिति और क्षेत्र से अनभिज्ञ, बहुत से तीर्थयात्रियों के 18 किमी लंबी दुर्गम चढ़ाई वाली यात्रा के दौरान उनके जूते फट जा रहे थे, जिसके कारण उन्हें कष्ट हो रहा था। इस सुविधा से श्रद्धालुओं के मुख पर जो प्रसन्नता दिखी, वो हमारे इस प्रयास की सार्थकता साबित कर रही है ।

अब तक 553 जूते-चप्पल बांटे गए

## 31 अगस्त: पेटशाल

### अल्ट्रासाउंड की सुविधा का शुभारम्भ

पेटशाल चिकित्सालय में "आरोही" संस्था की मोबाइल मेडिकल वैन के सहयोग से महीने में एक बार अल्ट्रासाउंड की शुरुआत कर अपनी सुविधाओं की श्रेणी में एक सुविधा और जोड़ ली है।

अल्ट्रासाउंड डॉ विवेक शर्मा, जो की रेडियोलॉजी विभाग, AFMC, पुणे के पूर्व प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रह चुके हैं और साथ ही पूर्व कमांडिंग ऑफिसर, कमांड चिकित्सालय लखनऊ भी रहे हैं, के द्वारा किया जा रहा है।

# उल्लेखनीय घटनाएँ

## 4 सितम्बर: धर्मावाला

### बाल गोकुलम का शुभारम्भ

बाल गोकुलम पहल के अंतर्गत प्रत्येक रविवार को धर्मावाला चिकित्सालय की स्टाफ अन्वेषा व दिव्या, परिसर के निकट रहने वाले श्रमिकों के बच्चों को संस्कार और नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ा रही हैं । सत्र में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का पाठ, योग अभ्यास, पंचतंत्र से कहानी सुनाना और मनोरंजक खेल भी सम्मिलित हैं।

## 20 सितम्बर: धर्मावाला

### धर्मावाला चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड (GE Voluson S8 3D/4D) सुविधा का उन्नतीकरण

धर्मावाला चिकित्सालय में एक नवीन आधुनिक और विकसित अल्ट्रासाउंड मशीन की स्थापना के साथ ही सोनोग्राफी विभाग की इमेजिंग प्रक्रिया की गुणवत्ता में कई गुना वृद्धि हो गई है। 3D/4D इमेजिंग तकनीक से सुसज्जित यह मशीन ने रोगों को पता लगाने की क्षमता को बहुत उन्नत और सक्षम कर दिया है।

## 21 सितम्बर: पीपलकोटी

### रक्तदान शिविर

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ (आज़ादी का अमृत महोत्सव) के अवसर पर पीपलकोटी चिकित्सालय ने स्वास्थ्य विभाग, चमोली जनपद के सहयोग से अपने परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान के लिए कुल 39 व्यक्तियों ने अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया जिसमे 12 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्त दाताओं को इस सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शिविर में जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर (चमोली) से पैथोलॉजिस्ट एवं नोडल अधिकारी, ब्लड बैंक, डॉ यशोदा पाल व लैब टेक्निशियन, ब्लड बैंक, एकता बिष्ट ने भाग लिया और शिविर को सफल बनाया।

## 20 सितम्बर : धर्मावाला

### "जीवक" नया सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

धर्मावाला चिकित्सालय के पास के जनजातीय बहुल गांवों में मुंह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, स्क्रीनिंग, जाँच व उपचार पर आधारित “जीवक” नाम के एक नए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत हुई है । कार्यक्रम का उद्देश्य मुंह एवं गले के कैंसर के प्रति जागरूकता, बचाव के उपाय, सम्पूर्ण जांच, जल्दी पता लगाने और उपचार के माध्यम से ऐसे कैंसर से जुड़ी मृत्यु दर और रुग्णता को कम करना है।

# उल्लेखनीय घटनाएँ

## 26 सितम्बर: धर्मावाला

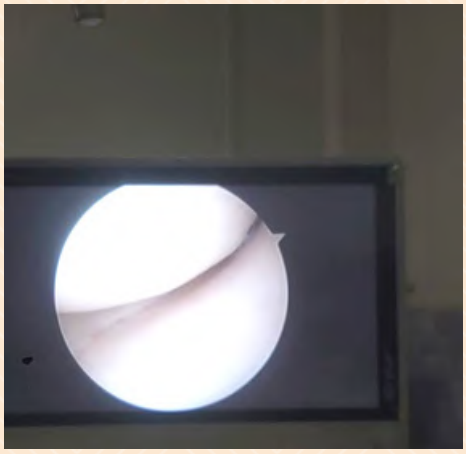

### आर्थोस्कोपिक सर्जरी का शुभारम्भ

धर्मावाला चिकित्सालय में आर्थ्रोस्कोपिक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की शुरुआत एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। डॉ गौरांग अग्रवाल, आर्थोस्कोपिक स्पोर्ट्स इंजुरी सर्जन जो नियमित रूप से सोसाइटी के चिकित्सालयों में अपनी स्वैच्छिक सेवाएं देते आ रहे हैं, के नेतृत्व में एक आर्थ्रोस्कोपिक ऑपरेशन (ACL reconstruction) सफलतापूर्वक किया गया।

## 26 सितम्बर: हरिद्वार

### ऑप्टिकल वर्कशॉप लैब का उद्घाटन

एक ही छत के नीचे समस्त व व्यापक नेत्र रोग व उससे सम्बंधित सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य को पूर्ण करता हरिद्वार चिकित्सालय में एक ऑप्टिकल वर्कशॉप लैब की शुरुआत हो गई है । यह ऑप्टिकल वर्कशॉप लैब, चिकित्सालय को कट, ग्राइंड, फिट और पूरी तरह से तैयार चश्मे की आपूर्ति करेगा, जिससे की रोगी को अन्य दुकानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी ।

# विशेष अतिथि

## 9 जुलाई : पेटशाल

मेडिकल कॉलेज देहरादून के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ पवनीश कुमार अपनी स्वैच्छिक सेवाएं देने पेटशाल चिकित्सालय पहुचे जहाँ उन्होंने ऑपरेशन से सम्बंधित साजो सामान व सर्जिकल उपकरणों के रखरखाव पर एक बैठक करी। इसके अतिरिक्त उन्होंने पैरामेडिकल स्टाफ को एक्स रे मशीन के संभाल एवं रखरखाव पर प्रशिक्षित भी किया।

डॉ पवनीश कुमार नियमित रूप से सोसाइटी के चिकित्सालयों में अपनी स्वैच्छिक सेवाएं देते आ रहे हैं और सोसाइटी इसके लिए हृदय से आभारी है व रहेगी।

## 27 जुलाई : पीपलकोटी

## 28 जुलाई: श्री बद्रीनाथ धाम

श्री नारायण जी, प्रांत प्रचारक प्रमुख उत्तराखण्ड, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

# उल्लेखनीय घटनाएँ

## विशेष अतिथि

### 3 सितम्बर : धर्मावाला

सेवांकुर भारत, महाराष्ट्र से दो चिकित्सक 'एक सप्ताह देश के नाम' संकल्प के अंतर्गत धर्मावाला चिकित्सालय के प्रवास पर आये। सेवांकुर भारत, एक गैर सरकारी संस्था है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता के साथ-साथ मूल्य आधारित नैतिक चिकित्सा पद्धति और सामाजिक जागरूकता के सिद्धांतों को विकसित करना है। इस कार्यक्रम के तहत 300 चिकित्सकों का एक दल उत्तराखण्ड के सुदूर दुर्गम पहाड़ी जनजातीय बहुल गाँव में एक सप्ताह के प्रवास पर आएगा और गाँव में ही रुकेगा। यह चिकित्सक इन गाँवों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी चलायेगें। अपने प्रवास के दौरान दोनों चिकित्सकों ने हमारे डुमेट चिकित्सालय एवं कुछ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण भी किया।

डॉ विशाल धाकरे, MBBS MD मेडिसिन, सेवांकुर भारत उपक्रम प्रमुख और
डॉ नितिन गाडेवाड, MBBS MD चेस्ट मेडिसिन, सेवांकुर भारत, संयोजक

### 10 सितम्बर: गंगोत्री धाम

स्वामी श्याम गिरि जी, उज्जैन; विनोद जी, अखिल भारतीय अधिकारी और
श्री पारस जी, विभाग प्रचारक के साथ गंगोत्री चिकित्सालय की टोली

### 19 सितम्बर: नारायणकोटी

### 22 सितम्बर: पीपलकोटी

श्री कमलानंद भारतीय जी एवं श्री हरितीर्थ स्वामी जी महाराज, देवालय संस्थान विजयवाड़ा भुवनेश्वरी पीठम
के साथ चिकित्सालय की टोली

# उल्लेखनीय घटनाएँ

## विशेष अतिथि - कथा व्यास स्वामी विजय कौशल जी महाराज

### 25 सितम्बर : धर्मावाला

कथा व्यास स्वामी विजय कौशल जी महाराज द्वारा दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना के साथ रविवारीय मल्टी स्पेशियलिटी शिविर का शुभारम्भ

धर्मावाला चिकित्सालय को कथा व्यास मानस मर्मज्ञ स्वामी विजय कौशल जी महाराज के प्रवास का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ एवं समस्त उपस्थित चिकित्सक गण, स्टाफ और रोगी उनके दर्शन से अभिभूत हो गए। स्वामी जी ने धर्मावाला चिकित्सालय में मल्टी स्पेशियलिटी शिविर का दीप प्रज्वलन व प्रार्थना के साथ विधिवत उद्घाटन किया और उसके पश्चात चिकित्सालय का भ्रमण किया। चिकित्सालय की सुविधाओं और सेवाओं को देख स्वामी जी अत्यधिक प्रभावित हुए एवं भूरी -भूरी प्रशंसा करी तथा चिकित्सालय के प्रगति और विस्तार के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

चिकित्सालय का भ्रमण कर सुविधाओं के बारे में जानते हुए

कथा व्यास स्वामी विजय कौशल जी महाराज चिकित्सकों की टोली के साथ।

### 30 सितम्बर: गंगोत्री धाम

श्री महेंद्र जी, क्षेत्र प्रचारक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड, चिकित्सालय की टोली के साथ

# उल्लेखनीय समारोह व आयोजन

## हरेला और गुरु पूर्णिमा उत्सव

16 जुलाई

धर्मावाला

स्वामी प्रेम विवेकानन्द जी महाराज, डॉ अनुज सिंघल, डॉ ताराश्री सिंघल और चिकित्सालय के अन्य स्टाफ के साथ पौधारोपण करते हुए

स्वामी प्रेम विवेकानन्द जी महाराज द्वारा एक प्रेरक प्रवचन के बाद एक मधुर भजन गाया गया जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पीपलकोटी

बन्ड भूमियाल शाखा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा चिकित्सालय परिसर में फलदार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

## तीसरा स्थापना दिवस समारोह

21 जुलाई

पेटशाल

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच 21 जुलाई को पेटशाल चिकित्सालय का तीसरा स्थापना दिवस पूरे हर्ष उल्लास से मनाया गया । इस मधुर आयोजन के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज पेटशाल की छात्राओं द्वारा मनमोहक पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, इंटर कॉलेज के प्राचार्य श्री प्रमोद पंत जी ने चिकित्सालय द्वारा प्रदान करी जा रही सेवाओं की प्रशंसा करते हुए एक प्रेरणा से भरा संबोधन दिया। कार्यक्रम का समापन स्टाफ द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन और जलपान के साथ हुआ।

## गुरु दक्षिणा

23 जुलाई

धर्मावाला

मुख्य अतिथि: श्री सुरेंद्र मित्तल जी,
प्रांत व्यवस्था प्रमुख, उत्तराखण्ड

## रक्षाबंधन

धर्मावाला

बड़कोट

हरिद्वार

श्री बद्रीनाथ धाम

गंगोत्री धाम

श्री केदारनाथ धाम

# उल्लेखनीय समारोह व आयोजन

## "अखंड भारत संकल्प दिवस" के उपलक्ष्य में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन

14 अगस्त

धर्मावाला

स्वतंत्रता दिवस और अखंड भारत संकल्प दिवस के तहत धर्मावाला चिकित्सालय में मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कुल 22 स्टाफ (17 पुरुष और 5 महिला) ने दौड़ में भाग लिया, जिसमें पूरे उत्साह और जोश के साथ क्रमश: 5 और 3 किमी की दूरी तय की गई।

## स्वतंत्रता दिवस

धर्मावाला

श्री केदारनाथ धाम

हरिद्वार

बड़कोट

नारायणकोटी

पेटशाल

श्री बद्रीनाथ धाम

गंगोत्री धाम

## श्री कृष्ण जन्माष्टमी

19 अगस्त

धर्मावाला

धर्मावाला चिकित्सालय में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पूरे आस्था एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। आधी रात के उत्सव में झूला सजाकर उसमे बालगोपाल को दूध, शहद , पानी से अभिषेक कर और नए वस्त्र पहना कर स्थापित किया गया। साथ ही भजन और कीर्तन किये गए तथा माखन मिश्री प्रसाद का भोग लगाया गया ।

# रविवारीय मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

**शिविर: 3**

## धर्मावाला

**लाभार्थी: 1569**

**ऑपरेशन:**
**(यूरो: 56 ; स्पाइन: 13)**

शिविर से पहले दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना

यूरोलॉजिस्ट की टीम: प्रो (डॉ) प्रशांत लवानिया, आगरा; डॉ प्रशांत जैन, डॉ आशुतोष, डॉ विकास बंसल और डॉ देवप्रिया, दिल्ली

डॉ संदीप सुपईया,
एंडोक्राइनोलॉजिस्ट, नई दिल्ली

डॉ वरुण कुमार अग्रवाल,
सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, आगरा

डॉ विपुल अग्रवाल,
हड्डी रोग विशेषज्ञ, आगरा

डॉ अविनाश,
जनरल फिजिशियन, मुजफ्फरनगर

डॉ तानिया गर्ग,
मनोचिकित्सक, देहरादून

डॉ महेश खेतान,
नेत्र सर्जन, देहरादून

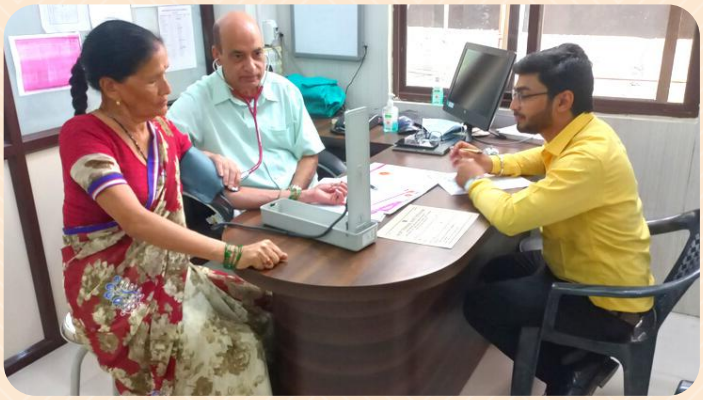

डॉ एस. के. बख्शी
जनरल फिजिशियन, मुजफ्फरनगर

डॉ सागर लवानिया,
मनोचिकित्सक, आगरा

# रविवारीय मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

**शिविर: 12** | **हरिद्वार** | **लाभार्थी: 2157**

सेवाभावी चिकित्सकों के साथ हरिद्वार चिकित्सालय की टोली

# मल्टी स्पेशियलिटी शिविर

**शिविर: 2** | **पेटशाल** | **लाभार्थी: 134**

सेवाभावी चिकित्सकों के साथ पेटशाल चिकित्सालय की टोली

डॉ प्रमोद जोशी, हृदय रोग विशेषज्ञ, हल्द्वानी

डॉ नीलाम्बर भट्ट, जनरल फिजिशियन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ, हल्द्वानी

डॉ पवनीश कुमार, हड्डी रोग विशेषज्ञ, देहरादून

डॉ कार्तिकेय भट्ट, जनरल फिजिशियन, हल्द्वानी

# नेत्र चिकित्सा शिविर

**शिविर: 2** | **डुमेट** | **लाभार्थी: 243**

डॉ एन.एस. जंगपांगी, नेत्र सर्जन आंखों की जांच करते हुए

सोसाइटी के डुमेट चिकित्सालय में अमृतसर आई क्लिनिक, देहरादून के सहयोग से दो नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में कुल 243 लाभार्थियों की जांच की गई, जिनमें से 24 रोगियों के मोतियाबिंद ऑपरेशन अमृतसर आई क्लिनिक में नि:शुल्क किए गए। रोगियों के आने जाने, ठहरने व भोजन की व्यवस्था भी नि:शुल्क थी ।

# सामुदायिक चिकित्सा शिविर
# हरिद्वार, धर्मावाला, पेटशाल, नारायणकोटी एवं दिल्ली

**कुल शिविर: 60**
**लाभार्थी: 9754**

## हरिद्वार

11 जुलाई तेलीवाला गाँव

30 अगस्त तेलीवाला गाँव

7 सितम्बर बाजरीवाला गाँव

## धर्मावाला

6 जुलाई हथियारी गाँव

10 अगस्त हथियारी गाँव

7 सितम्बर नागथात गाँव

## पेटशाल

14 जुलाई कपडखान गाँव

3 अगस्त - टकोली मेलगांव गाँव

## नारायणकोटी

2 जुलाई खुमेरा गाँव

3 अगस्त- देवर गाँव

स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर

130 लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे वितरण
3 अगस्त - उखीमठ (हरिद्वार व नारायणकोटी चिकित्सालय के सौजन्य से आयोजित)

## दिल्ली

28 अगस्त- मटका बस्ती झंडेवालान

# सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम - धर्मावाला

## नया सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम: "जीवक"
## मुँह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, स्क्रीनिंग, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम

### उद्देश्य / लक्ष्य

- एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 60-70% आबादी किसी न किसी रूप में तंबाकू पदार्थों का सेवन करती है और कईयों में तो शुरुआत 12-13 वर्ष की उम्र से ही हो जाती है ।
- एनएफएचएस 2020-21 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तराखण्ड में मुँह एवं गले के कैंसर की स्क्रीनिंग मात्र 0.4-0.5% है और राष्ट्रीय औसत 1-1.2% है।
- जीवक कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में मुँह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, स्क्रीनिंग, जाँच एवं चिकित्सा है।
- नियमित स्वयं परिक्षण को व्यवहार में लाना और तंबाकू पदार्थों के सेवन को छोड़ना जिससे की मुँह एवं गले के कैंसर के प्रसार को कम किया जा सके।
- समय से कैंसर का पता लगाना व उपचार करना जिससे की रोगी कैंसर से होने वाले दुष्परिणामों से बचे और उनके परिवारों पर उपचार का आर्थिक बोझ कम हो ।

लाभार्थियों से सम्पर्क

जागरूकता सत्र

प्राइमरी स्क्रीनिंग

- कुल सम्पर्क किये गये घर: *125*
- संपर्क किए गए लाभार्थी : *318* (पुरुष: *170;* महिला: *148);* व्यसन के साथ पाए गए कुल व्यक्ति: *149 (47%)* (पुरुष: *104;* महिला: *45)*
- कुल आयोजित शिविर: *2* (कुल प्रतिभागी: *62;* रेफरल: *14)*

### एनीमिया की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम

- कुल सम्पर्क किये गये घर: 978
- संपर्क किए गए लाभार्थी: 1666
- कुल फॉलोअप विजिट: 1298 [नियमित: 1147 (88%); अनियमित: 127 (10%); ड्राप आउट: 24 (2%)]
- वर्तमान में उपचाराधीन लाभार्थी: 178 (नये: 51; पुराने: 127)

### फॉलोअप हिमोग्लोबिन जाँच:

- कुल सम्पर्क किये गये लाभार्थी : 301
- कुल हिमोग्लोबिन जाँच : 301
- हिमोग्लोबिन के स्तर में बढ़ोतरी : 210 (70%)
- पहले जितना : 43 (14%)
- गिरावट : 48 (16% - संदर्भित)

### नये लाभार्थी:

- कुल सम्पर्क किये गये लाभार्थी : 67
- कुल हिमोग्लोबिन जाँच : 67
- एनीमिया ग्रसित रोगी: 59 (88%)
- उपचारित लाभार्थी: 51
- रेफर: 8 (7 लाभार्थी 5 वर्ष से कम व 1 गंभीर एनीमिया ग्रसित )

### स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर की जागरूकता, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम (BCC)
### चिकित्सा से सावधानी भली "कैंसर से दो कदम आगे"

- कुल संपर्क किये गये घर: 2367; संपर्क किए गए लाभार्थी: 2834
- कुल भरे गए BCC सर्वे फॉर्म: 697
- कुल जागरूकता सत्र: 3 (प्रतिभागी: 136)
- कुल स्क्रीनिंग शिविर: 3 (लाभार्थी: 71)

### मासिक धर्म स्वच्छता My Pad (Menstrual Hygiene) कार्यक्रम (MH)
### मेरी पहचान - खुद को जाने, खुद को पहचाने

- कुल भरे गए MH सर्वे फार्म: 1409
- कुल मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम के लाभार्थी: 1935
- कुल वितरित सैनिटरी पैड: 3275 (सूती कपडे वाले पैकेट: 41; सुरक्षा सैनिटरी पैड पैकेट: 3234)

# उत्कृष्ट उदाहरण

## धर्मावाला: 29 सितम्बर

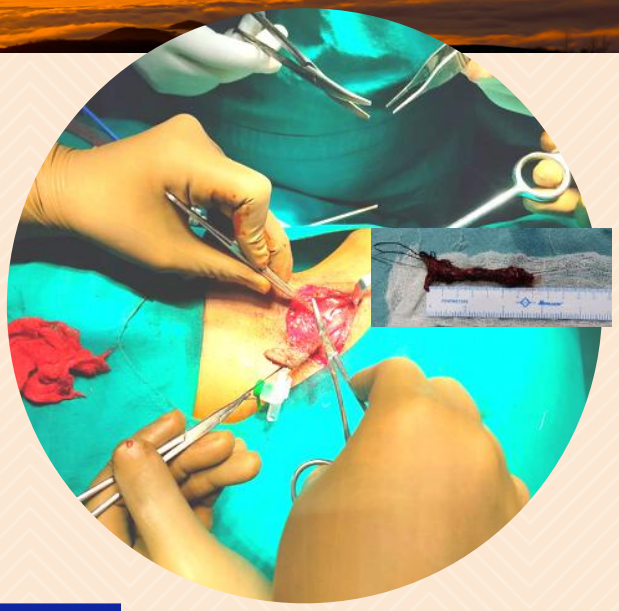

- 15 वर्षीय एक किशोर को पिछले 12 वर्ष से गर्दन के नीचे बाएँ ओर एक छेद से पानी जैसा पदार्थ का रिसाव हो रहा था जो की खाने से समय बढ़ जाता था।
- उसे इसके कारण बार बार सूजन और संक्रमण भी हो रहा था ।
- सी टी स्कैन (साईनोग्राम युक्त ) में ब्रंचिअल फिस्टुला (Branchial Fistula) नामक रोग का पता चला जिसका उपचार ऑपरेशन था।
- धर्मावाला चिकित्सालय की ई.एन .टी. विशेषज्ञ डॉ श्रेया द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन करने के बाद रोगी इस रोग से मुक्त हो गया ।

रोगी की प्रतिक्रिया सुनने के लिये यहाँ क्लिक करें

https://youtu.be/U0j9XQ94TW8

## धर्मावाला: 19 अगस्त

- चलने में असमर्थ और कमर व पैरों में अत्यधिक पीड़ा की शिकायत के साथ 77 वर्षीय एक महिला हमारी रीढ़ हड्डी रोग ओपीडी में आई ।
- वह गंभीर लम्बर कैनाल स्टेनोसिस (Lumbar Canal Stenosis) से पीड़ित थी और उसे ऑपरेशन की आवश्यकता थी।
- 77 वर्ष के होने के कारण, परिजन ऑपरेशन की सफलता के बारे में संशय में थे, लेकिन उन्होंने हमारे स्पाइन सर्जन द्वारा समझाए जाने के पश्चात ऑपरेशन कराने का निर्णय किया।
- सफलतापूर्वक रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन (L2-S1 लैमिनेक्टॉमी) किया गया ।
- ऑपरेशन के बाद उसे दर्द में आराम मिला और साथ ही वह दूसरे दिन से चलने में सक्षम थी।
- रोगी व उसके सम्बन्धियों ने चिकित्सालय के स्टाफ और सेवाओं की भरपूर सराहना की।
- धर्मावाला में रीढ़ रोग विभाग के इतिहास में इतनी उम्र में ऑपरेशन कराने वाली यह प्रथम रोगी है ।
- इस तरह के मामले रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के बारे में प्रचलित गलत धारणाओं और भ्रांतियों को दूर करने का काम करते हैं।

## धर्मावाला: 26 अगस्त

- 65 वर्षीय एक महिला रीढ़ हड्डी रोग ओपीडी में पिछले एक वर्ष से चलने में डगमगाहट और दोनों हाथों और पैरों में झनझनाहट व सुन्नपन की शिकायत के साथ आई। महिला लंबी दूरी तक चलने में भी असमर्थ थी और उसके हाथों में कम्पन भी हो रही थी।
- उसे स्पाइनल स्टेनोसिस (Spinal Stenosis: Cervical and Lumbar region) के साथ Compressive Spondylotic Myelopathy (C3-C7) की परेशानी थी, जिसके लिए ऑपरेशन की आवश्यकता थी।
- इस रोगी की अपने आप में अनूठी (Tandem Decompression Surgery) टेंडेम डीकंप्रेसन सर्जरी यानी एक साथ दोनों ऑपरेशन (सरवाइकल + लम्बर) को सफलतापूर्वक किया गया।
- उल्लेखनीय है कि भारत और विदेशों में बहुत कम केंद्र यह कठिन ऑपरेशन करते हैं।
- रोगी के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ और दूसरे दिन से वह संतुलन खोए बिना चलने में सक्षम थी और साथ ही उसकी झनझनाहट व सुन्नपन में भी कमी आई।

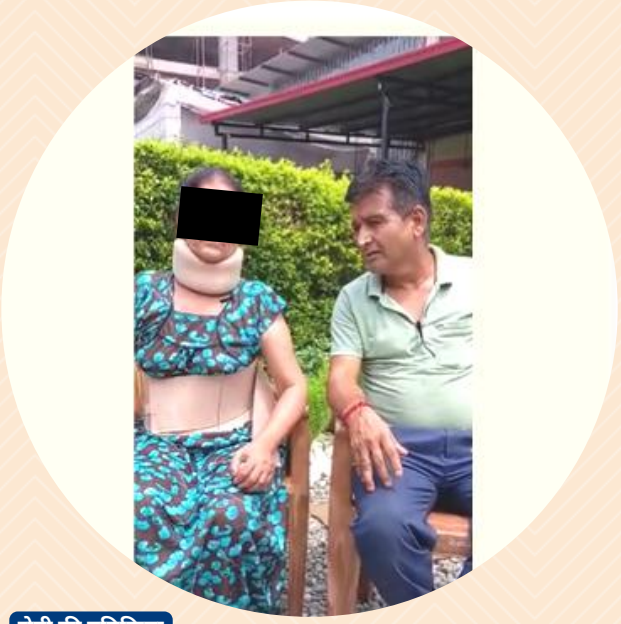

रोगी की प्रतिक्रिया सुनने के लिये यहाँ क्लिक करें

https://youtu.be/Ck4JzWLs_fY

# उत्कृष्ट उदाहरण

## धर्मावाला: 11 सितम्बर

- इमरजेंसी विभाग में सड़क दुर्घटना में चोटिल, दाहिने घुटने में (comminuted) फ्रैक्चर के साथ 57 वर्षीय एक पुरुष रोगी आया।
- रोगी की टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने के लिए जटिल ऑपरेशन हड्डी रोग विशेषज्ञ के द्वारा बहुत ही कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक किया गया।
- ऑपरेशन के दो महीने की अवधि के बाद, रोगी के घुटने की हड्डी पूरी तरह से जुड़ गई।
- रोगी के घुटने की मांसपेशियों की ताकत व जोड़ के सभी मूवमेंट पहले की तरह सामान्य हो गए।

रोगी की प्रतिक्रिया सुनने के लिये यहाँ क्लिक करें https://youtu.be/aI44Oqjop8U

## धर्मावाला: 18 जुलाई

- इमरजेंसी विभाग में सड़क दुर्घटना में चोटिल, दाहिनी जांघ ओर घुटने में फ्रैक्चर के साथ 35 वर्षीय एक पुरुष रोगी आया।
- इस तरह की चोट में हड्डी जुड़ने के बाद भी लंगड़ापन होने की सम्भावना रहती है।
- जटिल फ्रैक्चर होने के कारण इसमें क्लोज्ड रिडक्शन और प्लेटिंग के साथ-साथ फिक्सेशन अत्यंत कुशलतापूर्वक किया गया।
- ऑपरेशन के तीन महीने की अवधि के बाद, रोगी की हड्डी पूरी तरह से जुड़ गई और उसकी चाल पूर्व की तरह सामान्य हो गई।

रोगी की प्रतिक्रिया सुनने के लिये यहाँ क्लिक करें https://youtu.be/vGAyUXIBeIM

## गंगोत्री धाम: 14 सितम्बर

- बैंगलोर के 31 वर्षीय एक पुरुष तीर्थयात्री को खांसी, तेज बुखार और सांस लेने में कठिनाई के साथ रात 10.30 बजे गंभीर हालत में उसके दोस्तों द्वारा लाया गया।
- वह तपोवन मार्ग पर यात्रा (ट्रैकिंग) करते हुए अस्वस्थ हो गए व कहीं भी उचित उपचार नहीं होने से उनकी दशा बिगड़ती गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें हमारे चिकित्सालय जाने की सलाह दी और वह यहाँ पहुचे।
- एक्यूट माउंटेन सिकनेस (Acute Mountain Sickness) से पीड़ित होने के चलते उन्हें तुरंत आईसीयू में भर्ती कराया गया।
- दो दिनों में, वह पूरी तरह से ठीक हो गए एवं सोसाइटी और चिकित्सालय के स्टाफ के प्रति बहुत आभार व्यक्त किया।
- उन्होंने स्वेच्छा से चिकित्सालय के लिए दान भी दिया और साथ ही भविष्य में भी पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

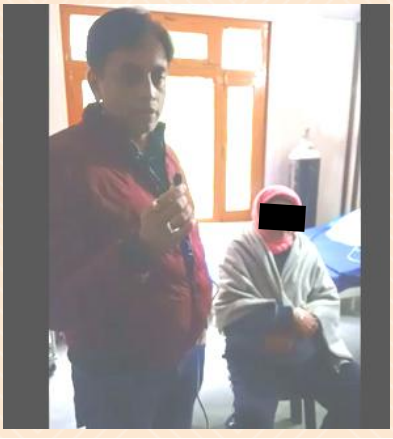

## गंगोत्री धाम: 17 सितम्बर

- गुजरात के एक 70 वर्षीय पुरुष तीर्थयात्री को खांसी, तेज बुखार और सांस लेने में कठिनाई के साथ हमारे चिकित्सालय लाया गया।
- उनका ऑक्सीजन लेवल 50% और बीपी 190/110 था।
- रोगी निमोनिया से ग्रसित थे और उन्हें तुरंत आईसीयू में भर्ती कराया गया।
- हालत में सुधार होने के बाद छुट्टी दे दी गई।
- चिकित्सालय द्वारा प्रदान की गई स्वास्थ्य सुविधाओं और देखभाल से पूरी तरह संतुष्ट होकर उन्होंने सोसाइटी के लिए दान भी दिया और भविष्य में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की।

# आंकड़े (जुलाई - सितम्बर 2022)

## पंजीकरण: 146397

**सोसाइटी का गौरव**
**श्री केदारनाथ धाम चिकित्सालय के कुल पंजीकरण: 42239 (कुल पंजीकरण का 29%)**

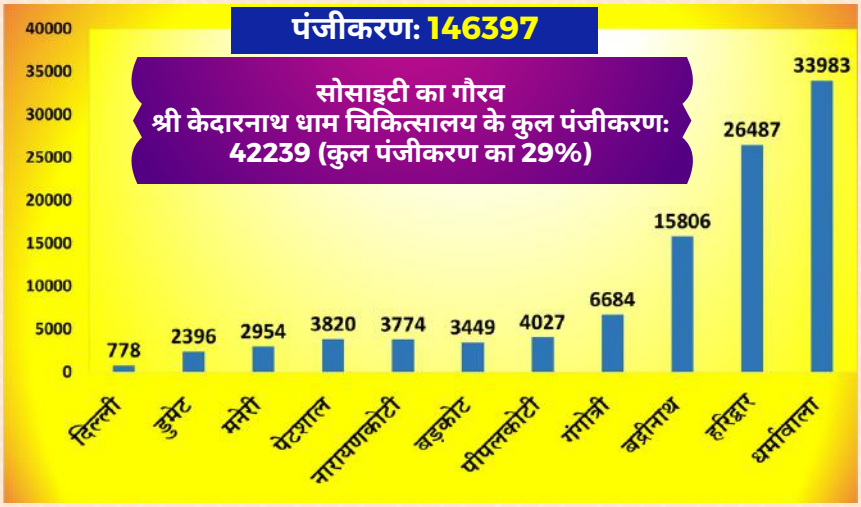


## दन्त रोगी: 6860

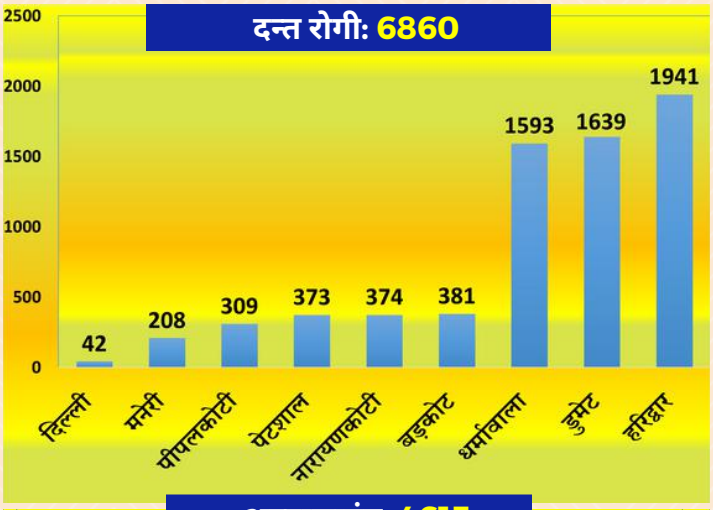


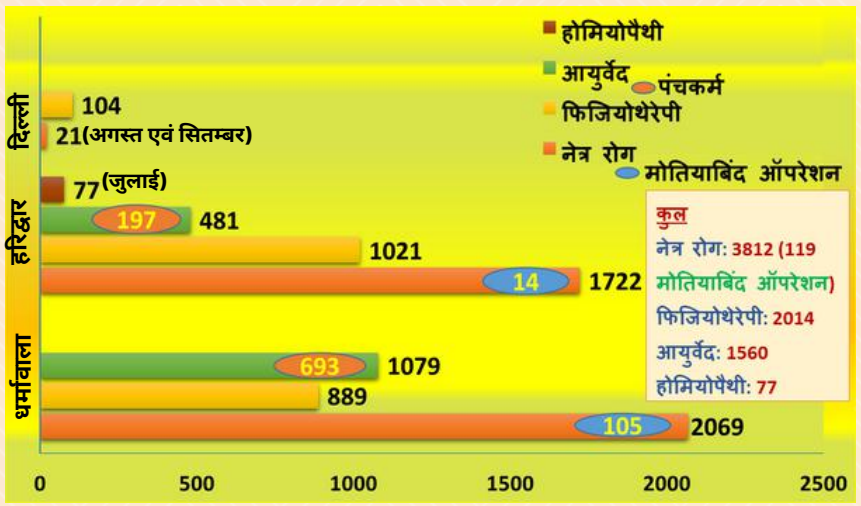


## अल्ट्रासाउंड: 4615

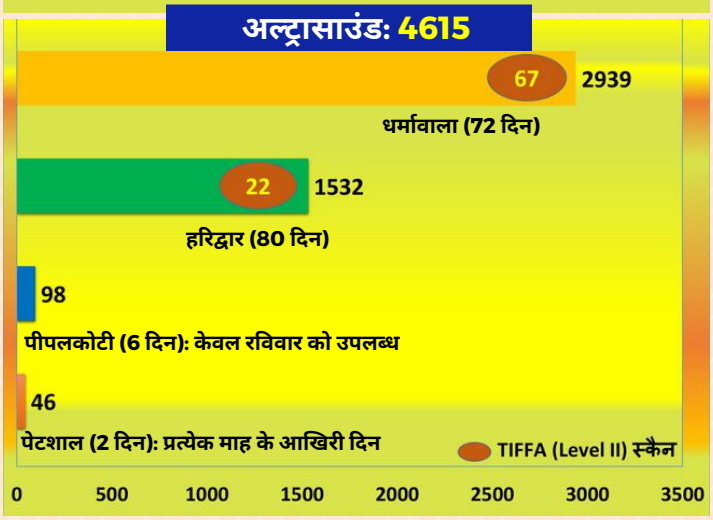


### केवल धर्मावाला, हरिद्वार एवं दिल्ली चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधाएं

| चिकित्सालय | सर्जरी (520) | |
|---|---|---|
| | मेजर | माइनर |
| धर्मावाला | 260 | 115 |
| नारायणकोटी | - | 41 |
| बड़कोट | 6 | 55 |
| पेटशाल | 2 | 4 |
| हरिद्वार | 20 | 8 |
| गंगोत्री | - | 9 |
| कुल | 288 | 232 |

**सर्जरी में शामिल हैं: सामान्य, महिला रोग, यूरो, स्पाइन, ई.एन.टी., ऑर्थो, दन्त एवं मैक्सिलो-फेशियल**

| | |
|---|---|
| कुल कोविड वैक्सीनेशन | 157 |
| कोविशिल्ड | 145 |
| कोवेक्सिन | 12 |
| सी टी स्कैन | 1019 |
| यूरोफ्लोमेट्री | 128 |
| एंडोस्कोपी | 117 |
| ऑडियोमेट्री | 61 |
| इको (ECHO) | 39 |

**नोट: उपरोक्त सुविधाएं केवल धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध हैं**

### अल्ट्रासाउंड सुविधा केवल धर्मावाला, हरिद्वार, पीपलकोटी एवं पेटशाल चिकित्सालयों में उपलब्ध है।
### TIFFA (स्तर II) स्कैन धर्मावाला एवं हरिद्वार चिकित्सालय में उपलब्ध है।

| चिकित्सालय | लैब जाँच | इमरजेंसी | एक्स रे | ई सी जी | प्लास्टर |
|---|---|---|---|---|---|
| धर्मावाला | 26880 | 759 | 3736 | 750 | 155 |
| मनेरी | 483 | 8 | 76 | 0 | 9 |
| नारायणकोटी | 2591 | 198 | 657 | 92 | 73 |
| बड़कोट | 2965 | 34 | 1022 | 68 | 226 |
| पीपलकोटी | 2266 | 151 | 324 | 93 | 22 |
| बद्रीनाथ | 3936 | 956 | 617 | 660 | 33 |
| पेटशाल | 1656 | 90 | 366 | 31 | 59 |
| केदारनाथ | 1946 | 6044 | 170 | 183 | 292 |
| हरिद्वार | 9796 | 447 | 1376 | 661 | 85 |
| गंगोत्री | 581 | 495 | 144 | 23 | 15 |
| डुमेट | 360 | NA | NA | NA | NA |
| दिल्ली | 104 | NA | NA | 22 | NA |
| कुल | 53564 | 9182 | 8488 | 2583 | 969 |

**146397** पंजीकरण | **520** सर्जरी | **9182** इमरजेंसी | **8488** एक्स-रे | **4615** अल्ट्रासाउंड | **53564** लैब जाँच

# आंकड़े (जुलाई - सितम्बर 2022)

## योग चिकित्सा और जीवन शैली संबंधी रोग परामर्श
## धर्मावाला और हरिद्वार

धर्मावाला

हरिद्वार

**योग चिकित्सा सत्र:**
285 (धर्मावाला); 197 (हरिद्वार)

**जीवनशैली संबंधी रोग परामर्श सत्र :**
1531 (हरिद्वार)

**जीवनशैली क्लीनिक (धर्मावाला)**

प्रारम्भ से सितम्बर माह तक लाभार्थी : 120

जीवनशैली परामर्श, आहार चार्ट, तनाव प्रबंधन, वजन प्रबंधन इत्यादि समूह परामर्श सत्र जहां पुराने रोगी नए लाभार्थियों के साथ जीवनशैली में परिवर्तन से हुए स्वास्थ्य लाभ के अपने अनुभव साझा करते हैं।

नस्य

कपिंग

स्वेदन

धर्मावाला

हरिद्वार
सर्वांग अभ्यांग

धर्मावाला
जीवनशैली क्लीनिक

आयुर्वेद विभाग में चिकित्सालय के बगीचे की जड़ी-बूटी के पौधों से औषधि तैयार हो रही हैं

आयुर्वेद विभाग पंचकर्म के दौरान न्यूरोलॉजिकल, मस्कुलोस्केलेटल, मायोपैथिस और हड्डी से सम्बंधित विकारों में विटेक्स नेगुंडो, मिमोसा पुडिका और रिकिनस कम्युनिस नामक जड़ी बूटी का उपयोग कर रहा है। डिमेंशिया और माइग्रेन से पीड़ित रोगियों को बकोपा मोन्निएरी और सेंटेला एशियाटिका का उपयोग किया जा रहा है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया (प्लेटलेट्स की कमी ) में वासाका का उपयोग किया जा रहा है।

## हमारे चार धाम स्थित चिकित्सालयों के आंकड़े

**कुल पंजीकरण: 64729 (92 दिन में)**

| श्री बद्रीनाथ धाम चिकित्सालय | श्री केदारनाथ धाम चिकित्सालय | गंगोत्री धाम चिकित्सालय |
|---|---|---|
| 15806 | 42239 | 6684 |
| 172 रोगी प्रतिदिन | 459 रोगी प्रतिदिन | 73 रोगी प्रतिदिन |

**कुल इमरजेंसी: 7495**

| | | |
|---|---|---|
| 956 | 6044 | 495 |

नर सेवा

नारायण सेवा

# स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी

For Domestic Donations

**Account details:**

**Swami Vivekanand Health Mission Society**
**A/C No: 32584491256**
**IFSC Code: SBIN0010626**
**Branch Name: CST Herbertpur, Dehradun**

Contact us :

svhmuk@gmail.com

Visit us :

svhmuk.in
twitter.com/svhmuk/
facebook.com/svhmu/
instagram.com/svhmuk/

सभी दान आयकर अधिनियम, *1961* की धारा 80G के तहत कर-मुक्त हैं।

धर्मावाला, देहरादून

मनेरी, गंगोत्री मार्ग

नारायणकोटी, केदारनाथ धाम मार्ग

बड़कोट, यमुनोत्री मार्ग

पीपलकोटी, बद्रीनाथ धाम मार्ग

श्री बद्रीनाथ धाम, चमोली

पेटशाल, जागेश्वर धाम मार्ग

श्री केदारनाथ धाम, रुद्रप्रयाग

हरिद्वार

गंगोत्री धाम, उत्तरकाशी

साधना केंद्र आश्रम, डुमेट, देहरादून

करोल बाग, दिल्ली

स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी के लिए प्रकाशक / मुद्रक डॉ अनुज सिंघल द्वारा इमेज ग्राफ़िक्स, 1 ओंकार रोड, देहरादून से मुद्रित कर स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी, बी - 207, पैसिफिक एस्टेट, अनुराग नर्सरी चौक, कांवली रोड, देहरादून-२४८००६ (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।